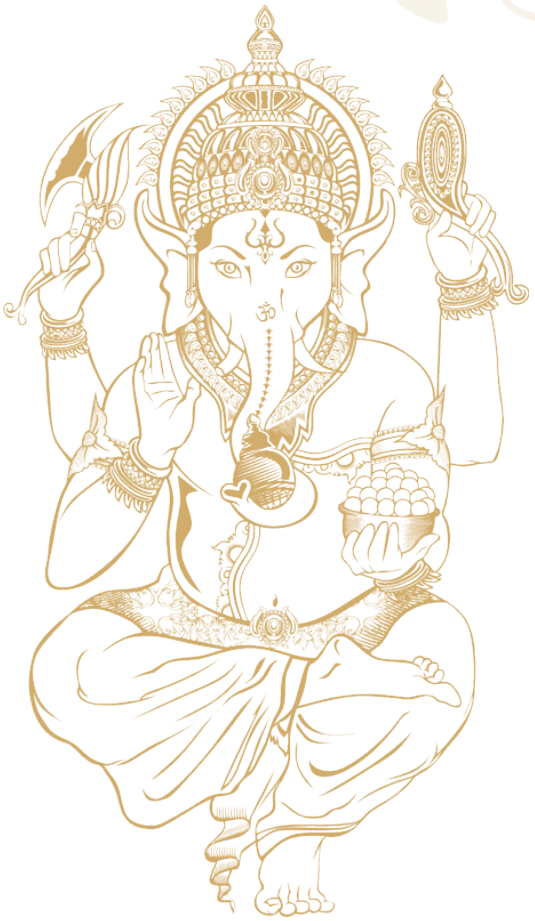

21 Feb 2026

07:13 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121350713

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/02/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:13:00 घंटे**
इष्ट	30:46:04 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:51:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:37 घंटे
साम्पातिक काल	04:57:50 घंटे
सूर्योदय	06:54:34 घंटे
सूर्यास्त	18:15:20 घंटे
दिनमान	11:20:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:42:40 कुम्भ
लग्न के अंश	22:06:12 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:06:12	316:42:02	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	08:42:40	01:00:28	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	00:03:31	13:59:06	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
मंगल		अ	मक	28:40:01	00:47:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	26:32:47	00:44:43	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:21:57	00:03:25	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	19:43:07	01:14:59	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
शनि			मीन	06:37:42	00:06:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:28	00:00:41	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:28	00:00:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:22:14	00:00:55	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:33:30	00:02:04	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:06:05	00:01:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	21:27:50	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

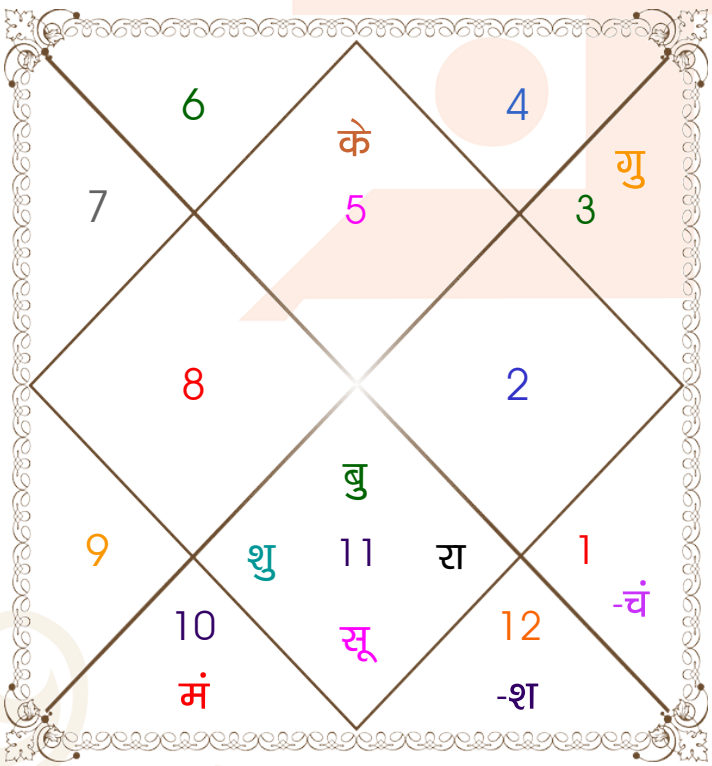

चन्द्र कुंडली

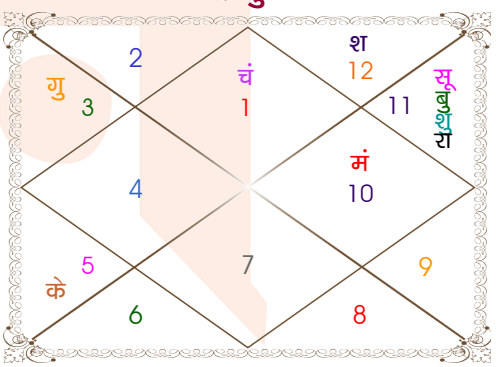

नवमांश कुंडली

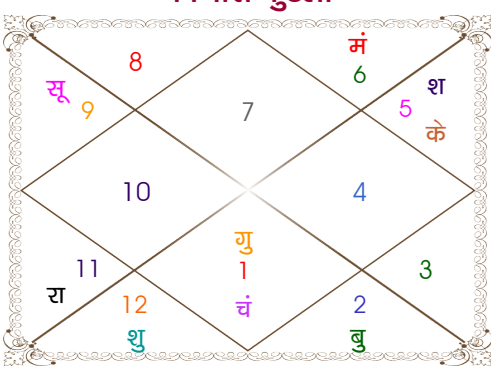

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 19 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/02/2026		10/02/2033		10/02/2053		10/02/2059		10/02/2069	
10/02/2033		10/02/2053		10/02/2059		10/02/2069		11/02/2076	
केतु	09/07/2026	शुक्र	11/06/2036	सूर्य	30/05/2053	चंद्र	12/12/2059	मंगल	09/07/2069
शुक्र	08/09/2027	सूर्य	12/06/2037	चंद्र	29/11/2053	मंगल	12/07/2060	राहु	27/07/2070
सूर्य	14/01/2028	चंद्र	10/02/2039	मंगल	06/04/2054	राहु	11/01/2062	गुरु	03/07/2071
चंद्र	14/08/2028	मंगल	11/04/2040	राहु	01/03/2055	गुरु	13/05/2063	शनि	11/08/2072
मंगल	10/01/2029	राहु	12/04/2043	गुरु	18/12/2055	शनि	11/12/2064	बुध	08/08/2073
राहु	29/01/2030	गुरु	11/12/2045	शनि	29/11/2056	बुध	12/05/2066	केतु	05/01/2074
गुरु	05/01/2031	शनि	10/02/2049	बुध	05/10/2057	केतु	11/12/2066	शुक्र	07/03/2075
शनि	14/02/2032	बुध	12/12/2051	केतु	10/02/2058	शुक्र	11/08/2068	सूर्य	13/07/2075
बुध	10/02/2033	केतु	10/02/2053	शुक्र	10/02/2059	सूर्य	10/02/2069	चंद्र	11/02/2076

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/02/2076		10/02/2094		11/02/2110		11/02/2129		11/02/2146	
10/02/2094		11/02/2110		11/02/2129		11/02/2146		00/00/0000	
राहु	24/10/2078	गुरु	30/03/2096	शनि	14/02/2113	बुध	10/07/2131	केतु	22/02/2146
गुरु	18/03/2081	शनि	12/10/2098	बुध	25/10/2115	केतु	07/07/2132		00/00/0000
शनि	23/01/2084	बुध	17/01/2101	केतु	03/12/2116	शुक्र	08/05/2135		00/00/0000
बुध	12/08/2086	केतु	24/12/2101	शुक्र	02/02/2120	सूर्य	13/03/2136		00/00/0000
केतु	30/08/2087	शुक्र	24/08/2104	सूर्य	14/01/2121	चंद्र	12/08/2137		00/00/0000
शुक्र	30/08/2090	सूर्य	13/06/2105	चंद्र	16/08/2122	मंगल	10/08/2138		00/00/0000
सूर्य	25/07/2091	चंद्र	13/10/2106	मंगल	25/09/2123	राहु	26/02/2141		00/00/0000
चंद्र	23/01/2093	मंगल	18/09/2107	राहु	01/08/2126	गुरु	04/06/2143		00/00/0000
मंगल	10/02/2094	राहु	11/02/2110	गुरु	11/02/2129	शनि	11/02/2146		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।